

लखनऊ में होगा ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन

चर्चा में क्यों?

24 अगस्त, 2021 को ब्रह्मोस एयरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक डॉ. सुधीर कुमार मशिरा ने बताया कि भारत का प्रमुख रक्षा प्रतष्ठान, 'रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन' (Defence Research and Development Organization-DRDO) नकट भविष्य में उत्तर प्रदेश [रक्षा औद्योगिक गलियारे](#) (Defense Industrial Corridor) के तहत लखनऊ में ब्रह्मोस की नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल का उत्पादन करेगा।

प्रमुख बडि

- यह बात डॉ. सुधीर कुमार मशिरा ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान ब्रह्मोस परियोजना की वर्तमान गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए कही।
- DRDO की पहल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने इस परियोजना के लिये आवश्यक भूमि सहित अन्य सभी सुविधाएँ प्रदान करने का आश्वासन दिया।
- ज्ञातव्य है कि [ब्रह्मोस सुपरसोनिक करुज मिसाइल](#) को DRDO, भारत सरकार तथा NPOM, रूस के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा परकिल्पति, वकिसति एवं उत्पादति कथिा जा रहा है।
- वर्तमान में भारतीय थल, जल एवं वायु सेना द्वारा इसका उपयोग कथिा जा रहा है।
- ब्रह्मोस की नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल के उत्पादन के लिये लगभग 200 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी तथा इस परियोजना को पूरण करने के लिये लगभग 300 करोड़ रुपए की धनराशि निविशति की जाएगी।
- इस परियोजना के माध्यम से लगभग 500 अभयिताओं एवं तकनीशयिनों को प्रत्यक्ष रूप से तथा 5,000 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा।
- इस मिसाइल के उत्पादन की योजना के लिये एन्सलिलरी यूनटिस भी स्थापति होंगी। इनके माध्यम से लगभग 10,000 लोगों को रोजगार मलिगा।
- लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का नरिमाण होने से उत्तर प्रदेश, देश का एयरोस्पेस और डफिंस हब बनने की ओर तेज़ी से अग्रसर होगा।
- इस परियोजना से डफिंस कॉरडोर को गति मिलिगी।
- ब्रह्मोस मिसाइल के वभिनिन ससिटम तथा सब-ससिटम के नरिमाण से जुड़ी 200 से अधिक औद्योगिक इकाइयाँ भी परियोजना के नकट अपनी उत्पादन इकाइयाँ स्थापति करने की ओर अग्रसर होंगी।